राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम

वाणिज्य संकाय

कार्यक्रम का नाम: UG-MDC – तीन/चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)

बी. कॉम. (MDC)

विषय/विषय - ABST

(NEP - 2020 विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली के अनुसार पाठ्यक्रम)

शिक्षण का माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (पास कोर्स)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: बहीखाता
(सिद्धांत)
पेपर कोड:UG-MDC-ABS-51T-101
सेमेस्टर: III

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
III	UG-MDC-ABS-51T-101	बहीखाता	6	4
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
प्रारंभिक	MDC	व्याख्यान - प्रति सप्ताह चार घंटे		
परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक		
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-20 अंक EoSE-80 अंक	मिडटर्म -8 अंक EoSE-32 अंक		

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम सीखने के उद्देश्य

1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वित्तीय लेखांकन के बुनियादी सिद्धांतों और अवधारणाओं से लैस करना है।
2. छात्रों को लेखांकन में अपनाए जाने वाले वैश्विक मानकों और नियमों से अवगत कराया जाएगा।
3. पाठ्यक्रम दोहरी-प्रविष्टि लेखांकन के बुनियादी सिद्धांतों का परिचय देगा।
4. छात्र लेखांकन मानकों के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार करने में सक्षम होंगे।
5. पेपर विभिन्न अनुपात विश्लेषण के माध्यम से छात्रों को वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम बनाता है।

इकाई –I

लेखांकन: एक परिचय, लेखांकन मानक और सिद्धांत, नियामक ढांचा- लेखांकन मानकों की भूमिका, बहीखाता और लेखांकन के बीच अंतर, लेखांकन समीकरण।

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

लेखांकन लेनदेन: मूल प्रविष्टि की पुस्तकें, जर्नल और लेजर पोस्टिंग व्यवसाय लेनदेन के स्रोत-व्यावसायिक दस्तावेज़ीकरण , रिटर्न, छूट और बिक्री कर गणना, इन्वेंटरी मूल्यांकन, गैर-वर्तमान संपत्ति अधिग्रहण

इकाई –II

रोकड़ बही और बैंक लेनदेन, सहायक पुस्तकें, प्रावधान और रिजर्व, ट्रायल बैलेंस, त्रुटियों का सुधार और सस्पेंस खाता

इकाई –III

मूल्यह्रास के लिए लेखांकन, अमूर्त संपत्तियों का उपचार, उपार्जन और पूर्व भुगतान का लेखांकन, प्राप्य-देय प्रावधानों और आकस्मिक देनदारियों का लेखांकन, पूंजी और राजस्व व्यय और प्राप्तियां

इकाई –IV

नियंत्रण खाता समाधान, बैंक समाधान खाता

नोट: परीक्षार्थी को शोर रहित बैटरी से चलने वाले कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होगी जिसमें 12 से अधिक अंक, 6 फ़ंक्शन और 2 मेमोरी नहीं होनी चाहिए ।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. बुक-कीपिंग एंड अकाउंटेंसी, जैन, खंडेलवाल, पारीक, अजमेरा बुक कंपनी, जयपुर
2. बुक-कीपिंग एंड अकाउंटेंसी, जैन, खंडेलवाल, पारीक, अजमेरा बुक कंपनी (हिंदी)
3. बुक-कीपिंग और अकाउंटेंसी, शर्मा, भारद्वाज, बियानी, रमेश बुक डिपो, जयपुर
4.बहीखाता एवं लेखा, गर्ग अजय कुमार, नाभि प्रकाशन

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम:

1. बहीखाता पद्धति की मूलभूत अवधारणाओं और सिद्धांतों की गहन समझ
2. दोहरी प्रविष्टि प्रणाली और लेखांकन समीकरण की समझ
3. विभिन्न प्रकार के वित्तीय लेनदेन को सटीक रूप से रिकॉर्ड करना

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

4. सामान्य जर्नल और बही-खाता बनाना।
5. पत्रिकाओं से बहियों में प्रविष्टियाँ पोस्ट करना।
6. प्राप्य और देय खातों को प्रबंधित और रिकॉर्ड करना।
7. चालान बनाने और भुगतान एकत्र करने की प्रक्रिया की समझ
8. वित्तीय रिकॉर्ड की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए बैंक समाधान बनाना।
9. विसंगतियों को पहचानें और मतभेदों को दूर करना।
10. बहीखाता पद्धति में नैतिक प्रथाओं के महत्व की समझ

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (पास कोर्स)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: वित्तीय लेखांकन (सिद्धांत)
पेपर कोड:UG-MDC-ABS-63T-201
सेमेस्टर: IV

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
IV	UG-MDC-ABS-63T-201	वित्तीय लेखांकन	6	4
पाठ्यक्रम का स्तर	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार**		
मध्यवर्ती	MDC	व्याख्यान - प्रति सप्ताह चार घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-20 अंक EoSE-80 अंक	मिडटर्म -8 अंक EoSE-32 अंक

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. वित्तीय लेखांकन का वैचारिक ज्ञान प्रदान करना।
2. किसी व्यवसाय के वित्तीय विवरणों का ज्ञान और समझ प्रदान करना।
3. विभागीय लाभ और हानि खाता और चिट्ठा तैयार करना।
4. शाखा खाते तैयार करने की विभिन्न विधियों की व्याख्या करना।
5. आग दुर्घटना की स्थिति में स्टॉक की हानि, लाभ की परिणामी हानि और बीमा कंपनी से दावा की जाने वाली राशि के मूल्यांकन की प्रक्रिया की व्याख्या करना।
6. सभी प्रासंगिक समायोजनों के साथ बहीखाता पद्धति की एकल प्रविष्टि को दोहरी प्रविष्टि प्रणाली में बदलने में शामिल चरणों की व्याख्या करना।

इकाई-I

समायोजन प्रविष्टियाँ, ट्रेडिंग खाता, लाभ और हानि खाता और समायोजन के साथ और बिना समायोजन के बैलेंस शीट तैयार करना।

इकाई-II

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

विभागीय लेखांकन: विभागीय खातों का अर्थ और उद्देश्य; सामान्य खर्चों के आवंटन का आधार; अंतर्विभागीय स्थानांतरण; विभागीय ट्रेडिंग और लाभ और हानि खाता (सामान्य लाभ और हानि खाता और बैलेंस शीट सहित) तैयार करना।

इकाई-III

शाखा लेखांकन: अर्थ, उद्देश्य और देनदार प्रणाली, स्टॉक और देनदार प्रणाली, अंतिम खाता प्रणाली सहित तरीके; विदेशी शाखाओं को छोड़कर थोक शाखा प्रणाली और स्वतंत्र शाखा प्रणाली; शाखा और विभागीय लेखांकन के बीच अंतर.

इकाई-IV

बीमा दावे: बीमा दावों का अर्थ, आवश्यकता, स्टॉक पॉलिसी का नुकसान, परिणामी हानि पॉलिसी, व्यापक हानि पॉलिसी, बीमा दावों का पता लगाने के लिए कदम, लाभ के परिणामी नुकसान और औसत खंड के आवेदन सहित असामान्य वस्तुओं के साथ स्टॉक के नुकसान की गणना।

नोट: छात्र को बैटरी से चलने वाले कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होगी, जिसमें 12 से अधिक अंक, 6 फ़ंक्शन और 2 मेमोरी नहीं होनी चाहिए ।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. शर्मा, शाह, मंगल, अग्रवाल: वित्तीय लेखांकन, आरबीडी, जयपुर।
2. जैन, खंडेलवाल, पारीक, दवे: वित्तीय लेखांकन, अजमेरा बुक कंपनी, जयपुर।
3. अग्रवाल, शर्मा, पुरोहित, शर्मा: वित्तीय लेखांकन, शिवम बुक हाउस, जयपुर।
4. तुलसियान: वित्तीय लेखांकन: सुल्तान चंद एंड संस, नई दिल्ली।
5. शुक्ला और ग्रेवाल: अग्रिम खाते, सुल्तान चंद एंड संस, नई दिल्ली।
6. माहेश्वरी एस.एन.: वित्तीय लेखांकन, विकास पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।
7. सहगल ए. और सहगल डी.: उन्नत लेखांकन, टैक्समैन प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. जैन एस.पी. और नारंग के.एल.: वित्तीय लेखांकन, कल्याणी प्रकाशक, दिल्ली।
9. मोंगा जे.आर.: वित्तीय लेखांकन, मयूर पेपर बुक, नई दिल्ली।
10. गुप्ता, आर.एल.: उन्नत वित्तीय लेखांकन, एस. चंद एंड संस, नई दिल्ली।
11. कुमार ए.एस.: उन्नत वित्तीय लेखांकन, हिमालय प्रकाशन हाउस।
12. पॉल सीनियर के.: अकाउंटेंसी, खंड-I और II, न्यू सेंट्रल बुक एजेंसी, कोलकाता।

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम:

1.लेखांकन की बुनियादी अवधारणाओं और प्रक्रिया की समझ पैदा करता है।

2. एकल स्वामित्व व्यवसाय की विभिन्न सहायक पुस्तकें, तलपट और अंतिम खाते तैयार करने की क्षमता प्रदान करता है

3. विभागीय लाभ और हानि खाता और चिट्ठा तैयार करने की क्षमता प्रदान करता है।

4. शाखा खाते तैयार करने की विभिन्न विधियों की गहन समझ विकसित करता है।

5. स्टॉक की हानि, लाभ की परिणामी हानि और आग दुर्घटना की स्थिति में बीमा कंपनी से दावा की जाने वाली राशि के मूल्यांकन की प्रक्रिया की समझ विकसित करता है।

6. सभी प्रासंगिक समायोजनों के साथ बहीखाता पद्धति की एकल प्रविष्टि को दोहरी प्रविष्टि प्रणाली में बदलने में शामिल चरणों की जानकारी देता है

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (पास कोर्स)

पाठ्यक्रम का शीर्षक: निगमिय लेखांकन (सिद्धांत)
पेपर कोड:UG-MDC-ABS-75T-301
सेमेस्टर: V

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
V	UG-ABS-75T-101	निगमिय लेखांकन	7	4
पाठ्यक्रम का स्तर	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार**		
उच्च स्तर	MDC	व्याख्यान - प्रति सप्ताह चार घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-20 अंक EoSE-80 अंक	मिडटर्म -8 अंक EoSE-32 अंक

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. लेखामानक और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग मानक से परिचित होना।
2. अंशों और ऋणपत्रों के निर्गम और शोधन के लिए लेखांकन उपचार लागू करना।
3. अंशों और ऋणपत्रों के अभिगोपन की प्रक्रिया को समझना।
4. क्रय प्रतिफल की गणना करना और व्यवसाय के अधिग्रहण के लिए आवश्यक लेखांकन उपचार को लागू करना।
5. किसी कंपनी द्वारा समामेलन से पहले और बाद में अर्जित लाभ का निर्धारण करना।
6. कंपनियों के वित्तीय विवरण तैयार करना।
7. किसी कंपनी की ख्याति और अंशों के मूल्यांकन की प्रक्रिया को समझना।

इकाई-I

अंशों का निर्गमन : न्यूनतम अभिदान और अधि अभिदान, आनुपातिक आवंटन, अंशों को जब्त करना और पुनर्निर्गम

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

इकाई-II

अधिमान अंशों का शोधन, ऋणपत्रों का निर्गमन और शोधन- अर्थ, प्रकार और ऋणपत्रों का निर्गमन। ऋणपत्रों का शोधन- अर्थ, प्रक्रिया और ऋणपत्रों के शोधन के तरीके।

इकाई-III

अंशों और ऋणपत्रों का अभिगोपन: चिह्नित और अचिह्नित आवेदन, फर्म अभिगोपन

इकाई-IV

कंपनियों का वित्तीय विवरण: वित्तीय विवरणों के उद्देश्य, कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची III के अनुसार कंपनियों के वित्तीय विवरणों को तैयार और प्रस्तुत करना, लाभ और हानि खाते और चिट्ठे का प्रारूप और सामग्री। प्रबंधकीय पारिश्रमिक,

नोटः अभ्यर्थी को शोररहित बैटरी चालित पॉकेट कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होंगी जिसमें 12 अंक, 6 फंक्शन और 2 मेमोरी से अधिक नही होना चाहिए

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भः

1. तुलसियान पी.सी. & सीए भारत तुलसियान: कॉर्पोरेट अकाउंटिंग, एस. चंद, नई दिल्ली।
2. माहेश्वरी एस. एन. सीए शरद के माहेश्वरी और डॉ. सुनील के माहेश्वरी: विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. एमसी शुक्ला, टीएस ग्रेवाल, एससी गुप्ता: एडवांस अकाउंट्स, एस. चंद नई दिल्ली।
4. शर्मा, शाह, मंगल: कॉर्पोरेट अकाउंटिंग, आरबीडी, जयपुर।
5. जैन, खंडेलवाल, पारीक, दवे: कॉर्पोरेट अकाउंटिंग, अजमेरा बुक कंपनी, जयपुर।

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम

1. अंश निर्गमन करने और अधिमान अंशों के शोधन से संबंधित विभिन्न लेखांकन उपचार की समझ पैदा करना।

2. ऋणपत्र निर्गमन और शोधन के लिए लेखांकन प्रक्रियाओं का निर्धारण करता है।

3. व्यवसाय के अधिग्रहण और अंशों तथा ऋणपत्रों के अभिगोपन की प्रक्रिया को समझाता है।

4. विभिन्न वित्तीय निर्णयों के लिए कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार करता है।

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR